TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 236
दि. 27.12.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

वीर बाल दिवस पर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह के शहीद साहिबजादों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊः मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम मृत्यु के सामने भी साहस और धर्म पर अडिग रहने वाले इन बाल वीरों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया है.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के शहीद पुत्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वीर बाल दिवस के मौके पर आयोजित 'कीर्तन समागम' में शामिल हुए. उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के दो छोटे पुत्रों—साहिबजादा जोरावर सिंह (9 वर्ष) और साहिबजादा फतेह सिंह (6 वर्ष)—को याद किया, जिन्हें मुगल शासकों द्वारा इस्लाम कबूल न करने पर शहीद कर दिया गया था.

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम मृत्यु के सामने भी साहस और धर्म पर अडिग रहने वाले इन बाल वीरों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया है.

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख समुदाय की उस मांग को सुना, जिसमें इन दो शहीद साहिबजादों को सम्मान देने के लिए एक विशेष दिन घोषित करने की बात कही गई थी. इसी समर्पण का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्री ने 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' घोषित किया.

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने देशभर के सिखों की आवाज सुनी और उनके समर्पण का सम्मान करते हुए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया.'

मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों—साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह—को श्रद्धांजलि दी और इतिहास को जीवित रखने तथा नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की.

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मैं गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों पुत्रों को नमन करता हूं. इतिहास को पुनर्जीवित करने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं.'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जफरनामा और उससे जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों को भी याद किया. उन्होंने कहा, 'औरंगजेब यह समझता था कि गुरु गोबिंद सिंह कोई साधारण व्यक्ति हैं. आज कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां हिंदू या सिख रहते हों और गुरु गोबिंद सिंह का सम्मान न हो, लेकिन उनकी कौम को औरंगजेब तक याद नहीं है.'

सिख गुरुओं के इतिहास को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'सिख गुरुओं का इतिहास तेजस्वी और प्रेरणादायक है. गुरु नानक देव जी महाराज भक्ति के प्रकाश थे. सीमित साधनों के बावजूद उन्होंने मानवता के लिए जो किया, उसका प्रभाव आज भी दिखाई देता है.'

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान और साहस को याद किया. उन्होंने कहा कि यह दिन माता गुजरी जी की अडिग आस्था और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षाओं को सम्मान देने का अवसर है, जो पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी.

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'वीर बाल दिवस श्रद्धा का दिन है, जो वीर साहिबजादों के बलिदान की स्मृति को समर्पित है. हम माता गुजरी जी की अटूट आस्था और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की अमर शिक्षाओं को स्मरण करते हैं. यह दिन साहस, दृढ़ विश्वास और धर्मनिष्ठा से जुड़ा है. उनका जीवन और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे.'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने भारतीय फामाकीपिया आयोग की प्रगति और पहलों की समीक्षा की

श्री नड्डा ने औषध संहिता मानकों और औषध निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए आईपीसी के निरंतर प्रयासों की सराहना की और कहा कि ये आत्मनिर्भरता, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और मजबूत स्वास्थ्य सेवा मानकों के माध्यम से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सरकारी दृष्टिकोण के अनुरूप है

भारतीय फामाकीपिया आयोग अब 19 देशों में मान्यता प्राप्त है, जो देश की नियामक और वैज्ञानिक क्षमताओं में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विश्वास को दशार्ता है। यह मान्यता विश्व की फामेर्सी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है और वैश्विक स्तर पर भारतीय औषध संहिता मानकों की विश्वसनीयता को रेखांकित करती है

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय फामाकीपिया आयोग 2026 का 10वां संस्करण जनवरी 2026 के पहले सप्ताह में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा लॉन्च किया जाएगा

(जीएनएस)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग (डीओसीपी) की सचिव और परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा की उपस्थिति में भारतीय फामाकीपिया आयोग (आईपीसी) की प्रगति और पहलों की समीक्षा की।

श्री नड्डा ने भारतीय फामाकीपिया मानकों और औषध निगरानी गतिविधियों को मजबूत करने में आईपीसी के निरंतर प्रयासों की सराहना की। यह आत्मनिर्भर देश और

विकसित भारत के सरकार के दृष्टिकोण में योगदान करते हैं, आत्मनिर्भरता, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और मजबूत स्वास्थ्य सेवा मानकों को बढ़ावा देते हैं।

श्री नड्डा ने समीक्षा के दौरान दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने और इस प्रकार जन स्वास्थ्य की रक्षा करने में आईपीसी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय फामाकीपिया आयोग देश भर में दवाओं के एकसमान मानकों को सुनिश्चित करने वाला महत्वपूर्ण वैज्ञानिक और नियामक संदर्भ बना हुआ है।

केंद्रीय मंत्री जी ने इस बात पर बल दिया कि 'भारतीय फामाकीपिया आयोग को अब 19 देशों में मान्यता प्राप्त है, जो देश की नियामक और वैज्ञानिक क्षमताओं में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विश्वास को दशार्ता है।' उन्होंने कहा कि 'यह मान्यता विश्व की औषधालय के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है और वैश्विक स्तर पर भारतीय फामाकीपिया मानकों की विश्वसनीयता को रेखांकित करती है।'

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारतीय फामाकीपिया आयोग 2026 के 10वें संस्करण की शुरूआत जनवरी 2026 के पहले सप्ताह में करेंगे।

श्री नड्डा बैठक में ने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी और रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत के फामाकीविजिलेंस कार्यक्रम (पीवीपी) के कार्यान्वयन में आईपीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और रिपोर्टिंग प्रणालियों को मजबूत करने और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच क्षमता निर्माण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने स्वदेशी वैज्ञानिक विशेषज्ञता और नियामक मानकों को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक जन स्वास्थ्य का समर्थन करते हुए आत्मनिर्भर भारत में आईपीसी के योगदान की भी प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री ने सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए आईपीसी को विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप नवाचार, डिजिटलीकरण और मानकों के वैश्विक सामंजस्य पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

सचिव-सह-वैज्ञानिक निदेशक (आईपीसी) डॉ. वी. कलैसेल्वन ने इन गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने फामाकीपियल और फामाकीविजिलेंस मानकों को और मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने और राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य उद्देश्यों में योगदान देने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री हर्ष मंगला और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (26 दिसंबर, 2025) नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए बच्चों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, समुदायों और पूरे देश का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किए गए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुरस्कार देश के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व सिख धर्म के दसवें गुरु और सभी भारतीयों द्वारा श्रद्धेय गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चार पुत्रों ने सत्य और न्याय के समर्थन में संघर्ष करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दो सबसे छोटे साहिबजादों की वीरता का सम्मान और आदर भारत और विदेश दोनों में किया जाता है। उन्होंने उन महान बाल नायकों को श्रद्धापूर्वक याद किया जिन्होंने सत्य और न्याय के लिए गर्व के साथ अपने प्राणों की आहुति दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश की महानता तब निश्चित होती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और उच्च आदर्शों से परिपूर्ण होते हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों ने वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के कारण ही भारत को विश्व पटल पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अजय राज और मोहम्मद सिदान पी, जिन्होंने अपनी वीरता और सूझबूझ से दूसरों की जान बचाई, प्रशंसा के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री ने श्री बिस्वा बंधु सेन जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष श्री बिस्वा बंधु सेन जी के निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने कहा कि त्रिपुरा की प्रगति को बढ़ावा देने और कई सामाजिक कार्यों के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा : त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष श्री बिस्वा बंधु सेन जी के निधन से गहरा दुख हुआ। त्रिपुरा की प्रगति को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों और कई सामाजिक कारणों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें याद किया जाएगा। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति 27 से 30 दिसंबर तक गोवा, कर्नाटक और झारखंड का दौरा करेंगी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 27 से 30 दिसंबर, 2025 तक गोवा, कर्नाटक और झारखंड का दौरा करेंगी। वह 27 दिसंबर की शाम को गोवा के लिए रवाना होंगी।

राष्ट्रपति 28 दिसंबर को कर्नाटक के कारवार हार्बर से एक पनडुब्बी में समुद्री यात्रा करेंगी।

राष्ट्रपति 29 दिसंबर को झारखंड के जमशेदपुर में ओल चिकी के शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। उसी दिन वह जमशेदपुर के एनआईटी में आयोजित 15वें दीक्षांत समारोह को भी संबोधित करेंगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में तेजी लाने पर बल दिया

डॉ. सिंह ने सरकार द्वारा देश के वैज्ञानिक और नवाचार इको-सिस्टम को

सुदृढ़ करने के प्रति निरंतर प्रोत्साहन को देखते हुए इस दिशा में और अधिक ध्यान केंद्रित करने की अपील की

सीएसआईआर प्रयोगशालाएं नवाचार और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ा रही हैं: डॉ. जितेंद्र सिंह

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज भारत की औद्योगिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में तेजी लाने पर जोर दिया।

कौन हैं सुजीत सिंह? घोसी उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने किया प्रत्याशी का ऐलान

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति का केंद्र रहे घोसी विधानसभा क्षेत्र में एक बार फिर चुनावी बिगुल बजने वाला है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस उपचुनाव के लिए अपने पत्ते खोल दिए हैं। पार्टी ने दिवंगत विधायक और कद्दावर नेता सुधाकर सिंह के छोटे बेटे सुजीत सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने सुजीत के नाम पर मुहर लगाते हुए साफ कर दिया कि पार्टी इस सीट को बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी। इस फैसले के साथ ही सपा ने उपचुनाव की तैयारियों में बढ़त बना ली है।

सुधाकर सिंह का सियासी कद और योगदान

घोसी सीट पर सुजीत सिंह की उम्मीदवारी के पीछे उनके पिता सुधाकर सिंह का बड़ा योगदान है। सुधाकर सिंह ने साल 2023 के उपचुनाव में भाजपा के दारा सिंह

चौहान को करारी शिकस्त दी थी। उनका पिछले दिनों 20 नवंबर 2025 को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी उनके परिवार के ही किसी सदस्य को विरासत सौंपेगी। सुधाकर सिंह की क्षेत्र में मजबूत पकड़ और उनके प्रति जनता के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए सुजीत सिंह के लिए चुनावी राह आसान मानी जा रही है।

कौन हैं सुजीत सिंह?

1990 में जन्मे सुजीत सिंह अपने माता-पिता की तीन संतानों में सबसे छोटे हैं। उनके पिता सुधाकर सिंह राजनीति के अनुभवी चेहरे रहे, जबकि मां चिंता सिंह शिक्षिका थीं। सुजीत की इकलौती बहन डॉ. अमिता सिंह गुरुग्राम की एक यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। परिवार में शिक्षा का माहौल होने के कारण सुजीत का सपना भी प्रोफेसर बनने का था और बचपन से ही वह पढ़ाई में मेधावी रहे।

अंकिता भंडारी केस को लेकर सियासी घमासान, भाजपा ने लगाया दलित समाज को कलंकित करने का आरोप

उत्तराखंड में एक बार फिर अंकिता भंडारी केस को लेकर सियासत गरमा गई है। उर्मिला सनावर के आरोपों के बाद भाजपा, कांग्रेस आमने सामने आ गई है। कांग्रेस ने आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की है। तो भाजपा ने दलित समाज को कलंकित करने का आरोप लगाया है।

भाजपा ने कांग्रेस पर सोशल मीडिया के अपुष्ट एवं अमर्यादित पोस्टों के आधार पर देवभूमि और समूचे दलित समाज को कलंकित करने का आरोप लगाया है। वहीं आक्रोश जताया कि न्यायालय दोषियों को सजा दे चुका है, लेकिन कांग्रेस बार बार साजिशन नए नए नाम लेकर दिवंगत बेटी की आत्मा को भी अपमानित कर रही है।

(जीएनएस)।

राजपुर विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता खजान दास ने आरोप लगाया कि दिल्ली से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का इस मुद्दे को उठाना, राजनैतिक षडयंत्र का इशारा करता है। कांग्रेस पर नकारात्मक एवं शर्मनाक राजनीति का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सोशल मीडिया पर प्रचार की मंशा से वायरल ऑडियो वीडियो को राजनैतिक हथियार बना रही है, जिनका न तो कोई पुख्ता आधार है, न ही वे मर्यादित हैं।

लेकिन गैरजिम्मेदाराना तरीके और षड्यंत्र के तहत, इन बयानों की आड़ में समूचे अनुसूचित जाति समाज को अपमानित करने का पाप किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर सीधा सीधा आरोप लगाया कि वे बिना पुष्टि वाले अश्लील व्यक्तव्यों पर दिल्ली में बैठकर पत्रकार वार्ता करते हैं। जो कहीं न कहीं दशार्ता है कि कांग्रेस इस पूरे घटनाक्रम को षड्यंत्र की तरह इस्तेमाल कर देवभूमि और समूचे दलित समाज को अपमानित करना चाहती है।

'अंधविश्वास नहीं, विवेक जरूरी', विज्ञान और धर्म के टकराव पर क्या बोले मोहन भागवत?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि भारत को केवल एक महाशक्ति ही

नहीं बनना चाहिए, बल्कि उसे पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक यानी 'विश्व गुरु' की भूमिका भी निभानी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास, ज्ञान और सामाजिक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलना ही भारत का रास्ता है।

मोहन भागवत ने शुक्रवार, 26 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

पश्चिम रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न

मुंबई, पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 26 दिसंबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका 'ई-राजहंस' के 61वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से किया गया। इसके साथ ही रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार पश्चिम रेलवे में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित हिंदी निबंध, वाक और हिंदी टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिताओं में विजेता 19 प्रतिभागियों को महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि एवं राजनेता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती भी मनाई गई। उनके जीवन के संक्षिप्त परिचय से सदस्यों को अवगत कराया गया और उनकी एक प्रसिद्ध कविता 'गीत नया गाता हूं' का गायन द्वारा प्रस्तुतिकरण भी किया गया।

राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि उनका दायित्व है कि वे अपने-अपने कार्यस्थल पर राजभाषा को प्रोत्साहित करें साथ ही उन्होंने अपेक्षा की कि जो कर्मी रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में सहभागिता करेंगे वे भी पश्चिम रेलवे का परचम लहराएं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा राजभाषा के संबंध में जो भी दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं उसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री विनीत गुप्ता ने समिति के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुखों, सभी अपर मंडल रेल प्रबंधक, सभी मुख्य कारखाना प्रबंधक और अन्य अधिकारियों का स्वागत करते हुए पुस्तकों और पुस्तकालयों के महव के संबंध में कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनेस्को ने 23 अप्रैल को 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' के रूप में घोषित किया है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य पुस्तकों के महत्व को उजागर करना और साहित्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में जब सभी प्रकार की सूचनाएं वेबसाइटों के माध्यम से प्रसारित हो रही हैं तब सभी मंडलों/कारखानों/विभागों की वेबसाइट का अद्यतन होना आवश्यक है। जब कभी वेबसाइट पर कोई भी सामग्री अपलोड की जाती है तो यह निश्चित किया जाए कि वह सामग्री दोनों ही भाषाओं में अपलोड की जा रही है।

बैठक में अधिकारियों के लिए एक राजभाषा प्रश्न-मंच का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया। पश्चिम रेलवे में जुलाई से सितंबर-2025 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़े समिति की सदस्य सचिव श्रीमती सुनीता अहिरे द्वारा प्रस्तुत किए गए।

'पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए तथा हिंदी निबंध, वाक और टिप्पण प्रतियोगिताओं में विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।'

पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस बैठक में पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री कुलदीप कुमार जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सड़क संरक्षा परियोजनाएं) श्री अमित कुमार मनुवाल, प्रमुख वित्त सलाहकार श्रीमती ऋचा खरे, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री विद्याधर अविनाश मालेगांवकर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती मंजुला सक्सेना, श्री अमित गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, श्री रजनीश कुमार, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक, उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री उज्ज्वल देव, सचिव/पश्चिम रेलवे श्री सचिन अशोक शर्मा सहित सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं सभी कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक आदि अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय रेलवे ने 2025 में त्योहारों और यात्राओं के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 43,000 से अधिक विशेष ट्रेन यात्राएं संचालित कीं

महा कुंभ के लिए 17,340, होली के लिए 1,144, गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 12,417 और छठ पूजा के लिए 12,383 विशेष रेल यात्राएं संचालित की गईं

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे ने प्रमुख धार्मिक आयोजनों और यात्राओं के पीक सीजन के दौरान बड़ी संख्या में विशेष ट्रेन सेवाएँ संचालित कर यात्रियों की सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए। ये पहल बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने और देशभर में निर्बाध संपर्क उपलब्ध कराने के प्रति रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। वर्ष 2025 में विशेष ट्रेन परिचालन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया, जो बेहतर योजना और यात्रियों की सुविधा पर पहले से अधिक मजबूत फोकस को रेखांकित करता है।

वर्ष 2025 के दौरान भारतीय रेलवे ने महा कुंभ के लिए अपने सबसे बड़े विशेष ट्रेन अभियानों में से एक का संचालन किया। 13 जनवरी से 28 फरवरी 2025 के बीच तीर्थयात्रियों की अत्यधिक संख्या की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 17,340 विशेष ट्रेन यात्राएँ संचालित की गईं। इसी तरह, होली 2025 के अवसर पर 1 मार्च से 22 मार्च 2025 के बीच 1,144 विशेष ट्रेन यात्राएँ संचालित की गईं, जो होली 2024 की तुलना में लगभग दोगुनी थीं। इससे यात्रियों को बेहतर उपलब्धता मिली और त्योहार के दौरान यात्रा अधिक सहज और सुव्यवस्थित रही।

समर ट्रैवल सीजन, 2025 यानि गर्मी की छुट्टियों के दौरान, जो 1 अप्रैल से 30 जून तक रहा, यात्रियों की बढ़ी हुई आवाजाही को ध्यान में रखते हुए 12,417 समर स्पेशल ट्रेन यात्राओं का संचालन किया गया, जिससे छुट्टियों के पीक महीनों में भी उच्च स्तर की सेवा बनाए रखी जा सकी। इसके अलावा, छठ पूजा 2025 के लिए विशेष इंतजामों को और मजबूत किया गया। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 के बीच 12,383 विशेष ट्रेन यात्राएँ चलाई गईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में एक उल्लेखनीय वृद्धि को दशार्ता है।

साल 2025 में किए गए ये विस्तारित इंतजाम 2024 में तैयार किए गए मजबूत परिचालन आधार पर आधारित थे। 30 जनवरी से 11 मार्च 2024 के बीच संचालित आस्था स्पेशल सेवाओं के दौरान तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 326 विशेष सर्कुलर ट्रेन यात्राएँ चलाई गईं थी। इसी तरह, होली 2024 के अवसर पर 12 मार्च से 2 अप्रैल 2024 के बीच त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को संभालने के लिए भारतीय रेलवे ने 604 विशेष ट्रेन यात्राओं का संचालन किया था।

गर्मियों की छुट्टियों 2024 के दौरान 12,919 समर स्पेशल ट्रेन यात्राएँ संचालित की गईं थी। वहीं, छठ पूजा 2024 के लिए 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2024 के बीच 7,990 विशेष ट्रेन यात्राओं का संचालन किया गया था।

वर्ष 2025 में विशेष ट्रेन परिचालन में हुई उल्लेखनीय वृद्धि यह दशार्ती है कि भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और अधिक मांग वाले समय में विश्वसनीय तथा सुचारु यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रति लगातार प्रतिबद्ध है।

भारतीय रेलवे ने अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों ट्रेन क्षमता दोगुना करने की योजना बनाई

बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने, भीड़भाड़ कम करने और राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी में सुधार के लिए प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार: श्री अश्विनी वैष्णव

व्यस्त स्टेशनों पर यातायात को सुगम बनाने हेतु क्षमता वृद्धि के लाभ प्राप्त करने के लिए जोनों से अल्पकालिक एवं मध्यम अवधि के कदमों की मांग

(जीएनएस)।

यात्रा की मांग में तीव्र और निरंतर वृद्धि को देखते हुए अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों से प्रारंभ होने वाली नई ट्रेनों की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करने की आवश्यकता है। आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान अवसंरचना को बढ़ाना आवश्यक है। वर्ष 2030 तक प्रारंभिक क्षमता को दोगुना करने के कार्यों में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल होंगी:

- मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफार्मों, स्टेबलिंग लाइनों, पिट लाइनों और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं के साथ बढ़ाना।
- शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनलों की पहचान करना और उनका निर्माण करना।
- रखरखाव सुविधाएं, जिनमें मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स शामिल हैं।
- विभिन्न स्थानों पर बढ़ी हुई ट्रेनों के संचालन को संभालने के लिए यातायात सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग उन्नयन और आवश्यक मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से सेक्शन क्षमता में वृद्धि करना।

टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय, टर्मिनलों के आसपास के स्टेशनों को भी ध्यान में रखा जाएगा ताकि क्षमता का संतुलन समान रूप से बना रहे। उदाहरण के लिए, पुणे के मामले में, पुणे स्टेशन पर प्लेटफार्मों और स्टेबलिंग लाइनों को बढ़ाने के साथ-साथ हडपसर, खड़की और आलंदी स्टेशनों को भी क्षमता वृद्धि के लिए शामिल किया गया है।

ये काम उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों प्रकार के यातायात के लिए की जाएगी, जिसमें दोनों खंडों की अलग-अलग आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। 48 प्रमुख शहरों की एक व्यापक योजना नीचे सूचीबद्ध स्टेशनों के लिए योजना निदेशालय को प्रस्तुत की जाएगी। इस योजना में समयद्ध तरीके से ट्रेनों के संचालन की क्षमता को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नियोजित, प्रस्तावित या पहले से स्वीकृत कार्यों का विवरण शामिल होगा।

यद्दिप क्षमता को दोगुना करने का लक्ष्य 2030 तक का है, फिर भी यह अपेक्षा की जाती है कि अगले 5 वर्षों में क्षमता को क्रमिक रूप से बढ़ाया जाएगा, ताकि क्षमता वृद्धि के लाभ तुरंत प्राप्त किए जा सकें। इससे आने वाले वर्षों में यातायात की आवश्यकताओं को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने में सहायता मिलेगी। योजना में कार्यों को तीन श्रेणियों- तत्काल, अल्पकालिक और दीर्घकालिक- में वगीर्कृत किया जाएगा।

केन्द्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "हम बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने और भीड़-भाड़ को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में कोचिंग टर्मिनल का विस्तार कर रहे हैं, सेक्शनल और ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। यह कदम हमारे रेलवे नेटवर्क को उन्नत करेगा और देशव्यापी संपर्क में सुधार लाएगा।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज 'वीर बाल दिवस' के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के दिव्य स्वरूप का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया तथा इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में सहभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 'वीर बाल दिवस' एवं साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने गुरु परंपरा, त्याग एवं बलिदान के महान संदेश को नमन करते हुए सिख बंधुओं के साथ लंगर छककर समरसता और सेवा भाव का संदेश दिया।

भोपाल को मिली बड़ी सौगात, बनेगा डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर- मंत्री कृष्णा गौर

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को विज्ञान और युवाओं के भविष्य से जुड़ी एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (ढटखश्ड) के अंतर्गत भोपाल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जा रहा है। यह जानकारी पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को विंध्याचल भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

राज्यमंत्री गौर ने बताया कि यह प्रस्ताव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समन्वय से तैयार किया गया है। प्रस्तावित स्पेस सेंटर का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को स्पेस टेक्नोलॉजी, वैज्ञानिक सोच और नवाचार से जोड़ना है, ताकि वे अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित हो सकें।

जीरो ग्रेविटी का अनुभव, मिसाइल-सैटेलाइट विकास का प्रदर्शन

मंत्री गौर ने बताया कि सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर में मिसाइल और सैटेलाइट के क्रमिक विकास से जुड़े डिजाइनों और मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही एक विशेष अधोसंरचना विकसित की जाएगी, जहां जीरो ग्रेविटी वातावरण में स्पेस स्टेशन का सिम्युलेटरी अनुभव कराया जाएगा। इस अनुभव के माध्यम से विद्यार्थी यह प्रत्यक्ष रूप से समझ सकेंगे कि अंतरिक्ष यात्री उपग्रहों और स्पेस स्टेशन के भीतर किस प्रकार रहते और कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र प्रदेश में विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

ओबीसी और अल्पसंख्यक युवाओं के लिए बड़ा अवसर

राज्यमंत्री गौर ने कहा कि यह नवाचार विशेष रूप से उन युवाओं के लिए उपयोगी होगा, जो अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जिज्ञासु हैं, लेकिन संसाधनों और मार्गदर्शन के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाते। सरकार ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के शैक्षणिक और सामाजिक उन्नयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह केंद्र उसी दिशा में एक ठोस कदम है।

'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2025' से सुरक्षा बलों तक रास्ता

पत्रकार वार्ता में राज्यमंत्री ने अत्यंत पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए प्रस्तावित 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2025' की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत हर वर्ष लगभग 4000 युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण उन्हें सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस, होमगार्ड और निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए तैयार करेगा। योजना के अंतर्गत शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ सैद्धांतिक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, जिससे युवाओं में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यबोध का विकास हो सके।

आदर्श छात्रावास, पहली बार मेस सुविधा

राज्यमंत्री गौर ने बताया कि प्रदेशभर में ओबीसी छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन छात्रावासों में जिम, वाचनालय, पुस्तकालय, वाई-फाई, कंप्यूटर कक्ष और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस उन्नयन कार्य पर करीब 16 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग बनने के बाद पहली बार छात्रावासों में निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण भोजन (मेस सुविधा) शुरू की जा रही है, जिसका शुभारंभ 26 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कर कमलों से होने की संभावना है।

रिकॉर्ड छात्रवृत्ति वितरण, विदेश तक अवसर

राज्यमंत्री ने जानकारी दी कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत साढ़े सात लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसके अलावा विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना को पारदर्शी बनाकर हर वर्ष 50 विद्यार्थियों को लाभ दिया जा रहा है।बेरोजगार युवाओं को जापान और जर्मनी में रोजगार दिलाने की पहल भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड के तहत आगामी समय में लगभग 600 युवाओं को विदेश भेजने की योजना है।

विमुक्त और घुमंतू समुदायों के लिए विशेष अभियान

राज्यमंत्री गौर ने बताया कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए जन अभियान परिषद के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन समुदायों की गणना तीन माह के भीतर पूरी की जाएगी, ताकि योजनाओं का लाभ लक्षित और प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा

पत्रकार वार्ता के अंत में राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि डॉ. कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर जैसे नवाचार और शौर्य संकल्प जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को विज्ञान, सुरक्षा और राष्ट्रनिर्माण की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही प्रयास विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा तय करेंगे।

ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन इंडिया-एनसीबी कार्बन अपटेक रिपोर्ट जारी

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद के 63वें स्थापना दिवस पर ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन इंडिया-एनसीबी कार्बन अपटेक रिपोर्ट जारी की गई

जिप्सम बोर्ड परीक्षण और सूक्ष्म-लक्षण वर्णन प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन (जीसीसीए) इंडिया-एनसीबी कार्बन अपटेक रिपोर्ट जारी की गई। इस अवसर पर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की आर्थिक सलाहकार सुश्री उर्मिला, आईईएस और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के विशेष महानिदेशक श्री मोहम्मद कमाल अहमद ने जिप्सम बोर्ड परीक्षण प्रयोगशाला और सूक्ष्म-लक्षण वर्णन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

जिप्सम बोर्ड उद्योग की गुणवत्ता आश्वासन और मानकीकरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिप्सम बोर्ड परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। इस संदर्भ में यह उल्लेख किया गया है कि जिप्सम आधारित भवन निर्माण सामग्री (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2024 को डीपीआईआईटी द्वारा वर्ष 2024 में अधिसूचित किया गया था। सूक्ष्म-लक्षण वर्णन प्रयोगशाला सीमेंटयुक्त और निर्माण सामग्री की विस्तृत जांच के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक सुविधाओं से सुसज्जित है।

सुश्री उर्मिला ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, गुणवत्ता आश्वासन और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में एनसीबी के निरंतर योगदान की सराहना की, जिसने सीमेंट क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग दिया है। अपने संबोधन में, सीपीडब्लू के विशेष महानिदेशक श्री मोहम्मद कमाल अहमद ने एनसीबी के अनुसंधान और विकास प्रयासों के माध्यम से भारत में टिकाऊ निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उसकी प्रशंसा की।

जीसीसीए इंडिया-एनसीबी की "कंक्रीट द्वारा कार्बन अपटेक" पर रिपोर्ट में भारतीय संदर्भ में कंक्रीट में कार्बोनेशन के माध्यम से कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषण के आकलन को रेखांकित किया गया है।

यह रिपोर्ट एनसीबी और ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन (जीसीसीए), इंडिया के संयुक्त प्रयास से तैयार की गई है और आईवीएल स्वीडिश पर्यावरण अनुसंधान संस्थान की टियर-1 पद्धति पर आधारित है। इसमें बताया गया है कि सीमेंट उद्योग कुल मानवजनित उत्सर्जन में लगभग 7 प्रतिशत का योगदान देता है और चूना पत्थर के कैल्सीनेशन से उत्पन्न प्रक्रिया-संबंधी कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन के कारण इसे एक ऐसा सेक्टर माना जाता है जिसमें कमी लाना कठिन है।

इस रिपोर्ट में आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ाने, अनुमान लगाने की पद्धतियों को परिष्कृत करने और राष्ट्रीय सतत विकास एवं जलवायु रिपोर्टिंग ढांचों में कार्बन अवशोषण को एकीकृत करने के उद्देश्य से भविष्य की कार्रवाइयों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को संयुक्त राष्ट्र वित्तीय परिषद (यूएनएफसीसीसी) को भेजे जाने वाले राष्ट्रीय संचार (एनएटीसीओएम) में कार्बन सिंक के रूप में शामिल करने हेतु विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

एनसीबी के बारे में:

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित एक सर्वोच्च अनुसंधान एवं विकास संगठन है। एनसीबी सीमेंट, संबद्ध भवन निर्माण सामग्री और निर्माण क्षेत्र के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण, शिक्षा और औद्योगिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ाने हेतु अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का नया मानक जारी किया

(जीएनएस)।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का भारतीय मानक आईएस 19412:2025 – अगरबत्ती – विनिर्देशन जारी किया। यह मानक राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में जारी किया गया।

नए अधिसूचित मानक में अगरबत्तियों में कुछ कीटनाशक रसायनों और कृत्रिम सुगंधित पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है , जो मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए, आईएस 19412:2025 में अगरबत्तियों में उपयोग के लिए प्रतिबंधित पदार्थों की सूची दी गई है। इसमें एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन , साथ ही बेंजाइल साइनाइड, एथिल एक्रिलेट और डाइफेनिलामाइन जैसे कृत्रिम सुगंधित पदार्थ शामिल हैं। इनमें से कई पदार्थ मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पारिस्थितिकी की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं।

उपभोक्ता सुरक्षा, घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता, पर्यावरणीय स्थिरता और नियामक अनुपालन साथ ही वैश्विक स्तर पर कुछ सुगंधित यौगिकों और रसायनों पर लगे प्रतिबंधों को देखते हुए—अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक की आवश्यकता पर बल दिया गया है। यह मानक अगरबत्ती को मशीन से बनी, हाथ से बनी और पारंपरिक मसाला अगरबत्तियों में वगीर्कृत करता है, और कच्चे माल, जलने की गुणवत्ता, सुगंध प्रदर्शन और रासायनिक मापदंडों के लिए आवश्यकताएं निर्धारित करता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित उत्पाद और एकसमान गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

इस मानक के अनुरूप उत्पाद बीआईएस मानक चिह्न प्राप्त करने के पात्र होंगे , जिससे उपभोक्ता सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे। आईएस 19412:2025 की अधिसूचना से उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ने, नैतिक और टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलने, पारंपरिक आजीविका की रक्षा होने और भारतीय अगरबत्ती उत्पादों की वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ने की उम्मीद है।

यह मानक बीआईएस की सुगंध एवं स्वाद अनुभागीय समिति (पीसीडी 18) द्वारा हितधारक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है। सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पादप संस्थान (सीआईएमएपी), सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर), सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआर), कन्नौज स्थित सुगंध एवं स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी) और अखिल भारतीय अगरबत्ती निमार्ता संघ जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने इस मानक को तैयार करने में योगदान दिया है।

भारत विश्व में अगरबत्ती का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इस उद्योग का वार्षिक अनुमानित मूल्य लगभग 8,000 करोड़ रुपये है और लगभग 1,200 करोड़ रुपये का निर्यात 150 से अधिक देशों को किया जाता है। यह क्षेत्र कारीगरों, लघु एवं मध्यम उद्यमों और सूक्ष्म उद्यमियों के एक बड़े समूह विशेष रूप से महिलाओं के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

अगरबत्ती भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का अभिन्न अंग है और घरों, पूजा स्थलों, ध्यान केंद्रों तथा स्वास्थ्य केंद्रों में इसका उपयोग किया जाता है। योग, ध्यान, अरोमाथेरेपी और समग्र स्वास्थ्य में बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में अगरबत्ती उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

चाय पार्टी में प्रियंका आई तो नाराज हुआ विपक्ष

मोदी और प्रियंका की चाय पर चर्चा, विपक्ष में असंतोष के स्वर उभरे कहते हैं अंत भला तो सब भला। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के ताजा रुख को लेकर राजनीतिक हलकों में कयास लगने शुरू हो गए हैं। राहुल की अनुपस्थिति में प्रियंका गांधी ने जिस तरह से अपनी पाटा का प्रतिनिधित्व किया उसके कई मायने लगाए जा रहे हैं। संसद का शीतकालीन सत्र हंगामेदार माहौल में समाप्त हुआ लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एकसाथ चाय पी कर सकारात्मक संदेश दे दिया। सरकार ने सत्र को अत्यधिक उत्पादक और सुधारोन्मुखी बताया जबकि विपक्ष ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा) के स्थान पर लाए गए नए विधेयक जी राम जी के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी। सत्र के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पारंपरिक चाय पाटा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और विपक्ष के अन्य नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। यह संवाद पिछले सत्रों से बिल्कुल अलग था क्योंकि विपक्षी दल अक्सर इस कार्याम का बहिष्कार करते थे जिनमें पिछले साल का शीतकालीन सत्र भी शामिल है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2024 के पहले सत्र के बाद से केवल एक बार ही ऐसी चाय पाटा में भाग लिया है। सत्र के अंतिम सप्ताह में मोदी तीन देशों, जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान के दौरे पर थे। वे सत्र के अंतिम दिन लौटे। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री से कहा कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से बेहतर ढंग से जुड़ने के लिए मलयालम सीख रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से तीन देशों के दौरे के बारे में भी पूछा। मोदी ने कहा कि इथियोपिया की प्रगति भारत में प्रचलित धारणाओं से कहीं आगे है, सामाजिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से। जब समाजवादी पाटा के नेता धर्मेंद्र यादव ने टिप्पणी की कि शीतकालीन सत्र केवल 15 बैठकों के साथ सबसे छोटा सत्र था तो मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह उनके गले के लिए अच्छा था क्योंकि उन्हें बहुत दिनों तक चिल्लाना नहीं पड़ा, जिससे वहां मौजूद लोग हंस पड़े। प्रियंका ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि वह केवल नारे ही नहीं लगातीं बल्कि भाषण भी देती हैं, जिससे एक बार फिर हंसी का माहौल बन गया। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पाटा (आरएसपी) के नेता एनके प्रेमचंद्रन ने भी सत्र के कम समय पर चिंता व्यक्त की जिस पर अध्यक्ष बिरला ने उन्हें याद दिलाया कि उनके पास बोलने के पर्याप्त अवसर थे। प्रियंका गांधी ने कहा कि वह सांसद, जिनमें वह भी शामिल हैं, संसदीय कार्यवाही की बारीकियों को सीखने के लिए सदन में प्रेमचंद्रन के आचरण का गौर करते हैं। मोदी ने प्रेमचंद्रन की प्रशंसा करते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसदों में से एक बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटा की नेता सुप्रिया सुले, द्रमुक के ए. राजा, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू (तेलुगु देशम पाटा) और राजीव रंजन सिंह (जनता दल-यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पाटा और के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और विपक्ष के कई अन्य नेता शामिल थे। नेताओं ने कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए ओम बिरला को धन्यवाद दिया। चाय पाटा का आयोजन एक पुरानी परंपरा है जिसे अध्यक्ष द्वारा सत्र के अंत में सौहार्द और सद्भावना के माहौल में तनावपूर्ण वातावरण को शांत करने के लिए किया जाता है। विपक्ष 2024 के मानसून सत्र के बाद से ऐसे आयोजन से दूरी बनाए हुए था। लेकिन प्रियंका के बदले रूख से विपक्ष के इंडिया गठबंधन के बाकी घटक दलों में नाखुशी व्यक्त की जाने लगी है। माव¯सवादी कम्युनिस्ट ऑफ के सांसद जान ब्रिटास ने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद से विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया है और सत्र के बाद प्रधानमंत्री के साथ चाय पर चर्चा में प्रियंका गांधी की भागीदारी की आलोचना की है। जान ब्रिटास ने कहा कि प्रियंका गांधी के इस चर्चा में भाग लेने से गलत संदेश गया है। वैसे भी वह संसदीय दल की नेता नहीं हैं।

राजकोट में जीआईडीसी द्वारा मेडिकल डिवाइस पार्क की महत्वाकांक्षी पहल, गुजरात के तेजी से विकसित हो रहे चिकित्सा क्षेत्र को नई गति

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) - कच्छ एवं सौराष्ट्र के आयोजन से वैश्विक निवेश तथा आधुनिक मेडिकल डिवाइस इकोसिस्टम को मिलेगा वेग

*

गांधीनगर, 26 दिसंबर : गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) द्वारा राजकोट जिले के नागलपर में एक नया, क्षेत्र-विशिष्ट मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित करने की महत्वाकांक्षी पहल की गई है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा उपकरण उद्योग के लिए एक एकीकृत एवं व्यापक इकोसिस्टम विकसित करना है; जो अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता परीक्षण तथा वैश्विक निर्यात को सुदृढ़ आधार प्रदान करेगा।

नागलपर में मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना

जीआईडीसी द्वारा प्रस्तावित नागलपुर मेडिकल डिवाइस पार्क लगभग 336 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस पार्क को 'एंड-टू-एंड' इकोसिस्टम के रूप में डिजाइन किया गया है; जिसमें प्रारंभिक अनुसंधान से लेकर उत्पादन, परीक्षण तथा अंत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात तक की समग्र प्रक्रिया सरल व कार्यक्षम बनेगी।

स्थानीय लाभ तथा रणनीतिक कनेक्टिविटी

नागलपुर लॉजिस्टिक्स तथा कनेक्टिविटी की दृष्टि से अत्यंत रणनीतिक है। यह क्षेत्र पीपावाव बंदरगाह से लगभग 125 किलोमीटर, कंडला बंदरगाह से 198 किलोमीटर और मुंद्रा बंदरगाह से 243 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सौराष्ट्र अंचल को मुंबई, दिल्ली तथा बेंगलुरू जैसे देश के प्रमुख शहरों के साथ सीधी एयर कनेक्टिविटी प्राप्त है। इसके अतिरिक्त; यह मेडिकल डिवाइस पार्क राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 (एनएच-

27) से केवल 9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है; जो अहमदाबाद, जयपुर एवं दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ने वाला प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग है।

प्लग-एंड-प्ले ढाँचागत सुविधाएँ

उद्योगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नागलपुर मेडिकल डिवाइस पार्क में आधुनिक तथा तैयार-उपयोग (प्लग-एंड-प्ले) के लिए ढाँचागत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें दैनिक 3.5 मिलियन लीटर (एमएलडी) क्षमता वाली विश्वसनीय जलापूर्ति व्यवस्था, ठोस कूड़ा प्रबंधन सुविधा तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) शामिल हैं। निर्बाध/निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिए 66 केवी सबस्टेशन हेतु भूमि आरक्षित रखी गई है। साथ ही; कार्यक्षम सप्लाई चेन सुनिश्चित करने के लिए कॉमन वेयरहाउस तथा लॉजिस्टिक्स सेंटर का आयोजन किया गया है।

नागलपुर मेडिकल डिवाइस पार्क का विकास भारत के तेजी से विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस उत्पादन क्षेत्र में गुजरात को अग्रसर राज्य के रूप में स्थापित करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

वीजीआरसी राजकोट : निवेश का रणनीतिक मंच

राजकोट में आयोजित होने वाली आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) - कच्छ एवं सौराष्ट्र नागलपुर स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क द्वारा सृजित होने वाले निवेश के विशाल अवसरों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए एक सशक्त एवं गतिशील प्लेटफॉर्म प्रदान करेगी। ऑर्थोपैडिक तथा सर्जिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग के लिए विख्यात राजकोट में आयोजित होने वाली इस कॉन्फ्रेंस के दौरान इंजीनियरिंग, बंदरगाहों तथा लॉजिस्टिक्स और कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में कच्छ-सौराष्ट्र अंचलों की क्षमताओं को विशेष रूप से उजागर किया जाएगा।

जनवरी-2026 के दौरान आयोजित होने वाली वीजीआरसी-राजकोट में वैश्विक निवेशकों, उद्योग अग्रणियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ सीधे संवाद और रणनीतिक भागीदारियाँ विकसित करने, भूमि आवंटन प्राप्त करने और भारत के मेडिकल डिवाइस बाजार में विशिष्ट पहचान स्थापित करने के स्वर्णिम अवसर उपलब्ध होंगे।

आयुष मंत्रालयः साक्ष्य-आधारित विकास, वैश्विक नेतृत्व और जन-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा का एक परिवर्तनकारी वर्ष

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय वर्ष 2025 के समापन के साथ, इस वर्ष को भारत की साक्ष्य-आधारित, जन-केंद्रित और वैश्विक स्तर पर एकीकृत पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचाने का साक्षी है। ऐतिहासिक नीतिगत पहलों और विश्व स्तरीय अवसंरचना विस्तार से लेकर ऐतिहासिक वैश्विक सहयोग और जन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों तक, इस वर्ष आयुष प्रणालियों ने वंचित से मुख्यधारा की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर होकर प्रगति की है। विकसित भारत@2047 की परिकल्पना के अनुरूप, मंत्रालय ने अनुसंधान, विनियमन, डिजिटल एकीकरण और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता को सुदृढ़ करते हुए पारंपरिक चिकित्सा में भारत के नेतृत्व को मजबूत किया, साथ ही यह सुनिश्चित किया कि समग्र स्वास्थ्य सेवा के लाभ देश भर में और उससे परे भी लाखों लोगों तक पहुंचें।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली में सीएआरआई की अत्याधुनिक आयुर्वेद अनुसंधान सुविधा की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के रोहिणी में नए केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) भवन की वर्चुअल रूप से आधारशिला रखी। 2.92 एकड़ में फैले इस अत्याधुनिक परिसर में 187 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरों वाला अनुसंधान अस्पताल, विशेष क्लीनिक, उन्नत प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षण सुविधाएं होंगी। दशकों तक किराए के परिसर से संचालित होने के बाद अब इस संस्थान का यह एक महत्वपूर्ण विस्तार है। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक चिकित्सा में भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व, आयुष वीजा के बढ़ते चलन और राष्ट्र के वैश्विक स्वास्थ्य एवं कल्याण राजधानी बनने की क्षमता का उल्लेख किया। केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव, सांसद श्री योगेंद्र चंदोलिया, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और सीसीआरएएस अधिकारियों ने अनुसंधान, रोगी देखभाल और सुलभता पर परियोजना के दीर्घकालिक प्रभाव को रेखांकित किया। पंचकर्म, क्षार सूत्र और जलौकावचरण जैसे उपचारों के साथ-साथ आधुनिक निदान सुविधाओं से लैस आधुनिक बुनियादी ढांचे सहित नया सीएआरआई परिसर आयुर्वेद अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय यूनानी सम्मेलन का उद्घाटन किया, वैश्विक मान्यता के लिए नवाचार को महत्वपूर्ण बताया

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने यूनानी दिवस के अवसर पर केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरएम) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने हकीम अजमल खान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जन स्वास्थ्य में सीसीआरएम के योगदान की सराहना की। विज्ञान भवन में उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सदियों पुराने ज्ञान पर आधारित यूनानी चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए नवाचार को अपनाना होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत में यूनानी शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य संस्थानों का विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क उपस्थित है। सम्मेलन के विषय, "एकीकृत स्वास्थ्य समाधानों के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार-भविष्य का मार्ग" की प्रासंगिकता का उल्लेख करते हुए उन्होंने यूनानी चिकित्सा को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकृत करने के लिए अनुसंधान, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रणाली के आधुनिकीकरण में आणविक जीव विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत अनुसंधान की भूमिका पर बल दिया, जबकि केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने एक स्वस्थ और सतत भविष्य के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता को दोहराया। इस कार्यक्रम में आयुष के वरिष्ठ नेतृत्व, सीसीआरएम के अधिकारियों और नौ देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

महाकुंभ में आयुष सेवाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान आयुष सबसे विश्वसनीय और व्यापक रूप से सुलभ स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में से एक बनकर उभरा है। ओपीडी, मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों, स्वास्थ्य केंद्रों और योग सत्रों के माध्यम से 9 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने इसकी सेवाओं का लाभ उठाया है। 12.1 लाख लाभार्थियों की पिछली उपलब्धियों को पार करते हुए, आयुष ने अपनी उपस्थिति को विशेष रूप से बढ़ाया है- मेले के मैदान में चौबीसों घंटे देखभाल प्रदान करने के लिए 20 ओपीडी, 90 से अधिक चिकित्सक, 150 स्वास्थ्यकर्मी और समर्पित मोबाइल इकाइयां तैनात की हैं। एमडीएनआईवाई द्वारा आयोजित चिकित्सीय योग सत्रों ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू श्रद्धालुओं को आकर्षित करना जारी रखा, जबकि सेक्टर 2, 21 और 24 में स्थित आयुष कन्वेंशन हॉल ने तीर्थयात्रियों को निवारक स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन के बारे में शिक्षित किया। प्रमुख अखाड़ों में संतों की विशेष जांच की गई, जिससे उत्सव के चरम समय के दौरान उनका कल्याण सुनिश्चित हुआ। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने 10,000 आयुष रक्षा किट वितरित करके और 15,000 तीर्थयात्रियों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करके निवारक देखभाल प्रणाली को मजबूत किया। पर्यावरण और आजीविका के आयाम को शामिल करते हुए, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने 25,000 औषधीय पौधों का वितरण किया, जिससे प्राकृतिक उपचार और औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिला। ये सभी प्रयास आयुष मंत्रालय के व्यापक दृष्टिकोण अर्थात विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक सम्मेलन को न केवल सार्थक बनाना, बल्कि इसे स्वस्थ, सुरक्षित और भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य विरासत से अधिक जुड़ाव प्रदान करने के भाव को दर्शाते हैं।

खदान मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कोयला खदान नियंत्रण (संशोधन) नियम, 2025 अधिसूचित

सरकार ने कोयला खदान मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कोयला खदान नियंत्रण (संशोधन) नियम, 2025 अधिसूचित किए - कोयला कंपनियों के बोर्ड को खदान, परत या परत के किसी भाग को खोलने की मंजूरी देने का अधिकार प्रदान किया

(जीएनएस)।

सरकार ने कोलियरी कंट्रोल रूल्स, 2004 के तहत कोयला और लिग्नाइट खानों के परिचालन मंजूरी से सम् बंधित प्रावधानों में संशोधन किया है। कामकाज में आसानी लाने और कोयला क्षेत्र को अधिक व्यवसाय-अनुकूल बनाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह संशोधन प्रक्रियात्मक अनावश्यकताओं को दूर करता है और खानों के तेजी से परिचालन को सक्षम बनाता है, साथ ही निरंतर नियामक निरीक्षण सुनिश्चित करता है।

कोलियरी कंट्रोल रूल्स, 2004 के नियम (9) के पूर्व प्रावधानों के अनुसार, कोयला/लिग्नाइट खदान के मालिक को कोयला खदान खोलने के साथ-साथ अलग-अलग जमीन के नीचे कोयले की परत या परतों के हिस्सों को खोलने के लिए कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन (सीसीओ) से पूर्व अनुमति प्राप्त करना आवश्यक था। यदि कोई खदान 180 दिनों या उससे अधिक समय तक परिचालन में नहीं थी, तो कोयला/लिग्नाइट खदान शुरू करने के लिए भी सीसीओ की अनुमति आवश्यक थी।

प्रक्रियात्मक अनावश्यकताओं को दूर करने, कोयला उत्पादन में तेजी लाने और अनुमोदन प्रक्रिया में दक्षता में सुधार करने के लिए, कोलियरी कंट्रोल रूल्स, 2004 के नियम 9 में संशोधन के माध्यम से सीसीओ से पूर्व-खोलने की अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। इस नियम में संशोधन करने वाली अधिसूचना 23.12.2025 को जारी की गई है

संशोधित प्रावधानों के तहत, खदान/जमीन के नीचे कोयले की परत परिचालन की अनुमति देने का अधिकार अब सम् बंधित कोयला कंपनी के बोर्ड को सौंप दिया गया है। इस सुधार से अनुमोदन प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी और साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि अनुपालन की जिम्मेदारी कंपनी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकरण के पास ही बनी रहे। इस सुधार से खदान के परिचालन में लगने वाले समय में 2 महीने तक की कमी आने की उम्मीद है।

सुरक्षा उपाय के रूप में, यह प्रावधान किया गया है कि (क) सम् बंधित कोयला कंपनी का बोर्ड केंद्र/राज्य सरकार और वैधानिक निकायों से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद खदान/ जमीन के नीचे कोयले की परत के परिचालन की मंजूरी दे सकता है, (ख) कंपनी को खदान परिचालन के बारे में जानकारी सीसीओ को प्रस्तुत करनी होगी, और (ग) कंपनियों के अलावा अन्य संस्थाओं के लिए, ऐसा अनुमोदन सीसीओ के माध्यम से ही जारी रहेगा।

समग्र सुधार में नियामक निगरानी और वैधानिक सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए परिचालन सम् बंधी निर्णय लेने का अधिकार कंपनी बोर्डों को सौंपकर एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है। इस संशोधन से अनुमोदन की समयसीमा में कमी आने और जवाबदेही को उच्चतम कॉर्पोरेट स्तर पर होने के साथ-साथ दक्षता में वृद्धि, कोयला उत्पादन में तेजी आएगी और देश के कोयला नियामक ढांचे में विश्वास मजबूत होगा।

मुमताज पटेल : कौन हैं? उन्नाव केस में सेंगर की सशर्त जमानत पर कहीं ये कड़वी बात

(जीएनएस)।

उन्नाव रेप केस ने 2017 में पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। अब दिल्ली हाई कोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के फैसले ने फिर से आक्रोश की लहर दौड़ा दी है। कोर्ट ने पूर्व इखढ विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा अपील लंबित रहने तक निलंबित कर सशर्त जमानत दे दी। इस फैसले से पीड़िता इतनी आहत हुईं कि इंडिया गेट पर प्रदर्शन किया और सुसाइड करने का मन होने की बात कही।

इसी क्रम में 26 दिसंबर को कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने दिल्ली हाई कोर्ट के सामने धरना दिया और फैसले पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'यह बहुत बड़ा झटका है... यह गलत मिसाल कायम कर रहा है... पीड़िता का आत्मविश्वास टूट गया, सिर्फ उनका नहीं, पूरे देश की महिलाओं का।' आइए, जानते हैं मुमताज पटेल कौन हैं, उनका बैकग्राउंड, राजनीतिक विरासत और

उन्नाव केस पर उनका स्टैंड...

मुमताज पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सक्रिय नेता हैं और गुजरात के दिग्गज कांग्रेसी अहमद पटेल की बेटी हैं। वे अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। अहमद पटेल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे, जो सोनिया गांधी के सबसे करीबी सलाहकार माने जाते थे। उन्होंने गुजरात से 3 बार राज्यसभा सांसद रहे और कांग्रेस की रणनीति में अहम भूमिका निभाई। उनका निधन 25 नवंबर 2020 को कोरोना से जुड़ी जटिलताओं से हुआ था।

मुमताज पटेल कम प्रोफाइल रखती हैं, लेकिन पार्टी के महिला और अल्पसंख्यक मुद्दों पर सक्रिय हैं। वे गुजरात कांग्रेस में युवा चेहरा हैं और सोशल जस्टिस, महिला सुरक्षा जैसे इश्यूज पर बोलती रहती हैं। उन्नाव केस पर उनका धरना और बयान दिखाता है कि वे पीड़ित महिलाओं की आवाज बन रही हैं।

परिवार और बैकग्राउंडः राजनीतिक विरासत की मजबूत जड़ें

मुमताज पटेल का परिवार गुजरात की राजनीति में गहराई से जुड़ा हैः

पिताः अहमद पटेल- कांग्रेस के दिग्गज, सोनिया गांधी के करीबी, गुजरात से राज्यसभा टढ। 'क्राइसिस मैनेजर' के नाम से मशहूर।

मांः मेमूना अहमद पटेल- परिवार को संभालती रहीं।

भाईः फैसल पटेल- बड़े भाई, जो भी राजनीति में सक्रिय हैं। भरूच से कांग्रेस की राजनीति संभालते हैं।

भीतरी दीवार गिरने से युवा तारकीय डिस्क में जटिल हाइड्रोकार्बन अणु

(जीएनएस)।

खगोलविदों ने टी चैमेलियोन्टिस नामक एक युवा तारे के धूल भरे आवरण के पीछे छिपे एक दिलचस्प रहस्य का खुलासा किया है। यह तारा पृथ्वी से लगभग 350 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और इसकी भीतरी परिधि की दीवार का एक हिस्सा आंशिक रूप से ढह जाने के कारण चुपचाप ग्रहों का निर्माण कर रहा है। इससे ग्रहों की प्रणालियों के विकास की हमारी समझ को बदलने में मदद मिल सकती है।

टी. चैमेलियोन्टिस (टी. चा) एक असाधारण तारा है, यह एक ग्रह-निर्माण डिस्क से घिरा हुआ है जिसे परास्तारक डिस्क कहा जाता है। इसमें एक चौड़ा अंतराल है—संभवतः एक नवजात ग्रह द्वारा निर्मित। सामान्यतः, ऐसी डिस्क के सघन आंतरिक क्षेत्र एक सुरक्षात्मक दीवार या आवरण की तरह कार्य करते हैं। यह तारे के अधिकांश पराबैंगनी प्रकाश को ठंडे, बाहरी क्षेत्रों तक पहुंचने से रोकते हैं। इस अवरोध के कारण कार्बन और हाइड्रोजन से बने चपटे, मधुकोश के आकार के अणु (बेंजीन वलय) पॉली एटॉमिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) हैं और जिन्हें जीवन की रसायन शास्त्र के प्रारंभिक अग्रदूतों में से माना जाता है, कम द्रव्यमान वाले, सूर्य जैसे तारों के आसपास विशेष रूप से पता लगाना कठिन हो जाता है।

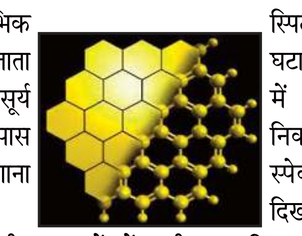

ये अणु अंतरतारकीय बादलों में आम हैं, लेकिन कम द्रव्यमान वाले, सूर्य जैसे तारों की डिस्क में इनका पता लगाना चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि ये तारे बहुत कम मात्रा में पराबैंगनी प्रकाश उत्पन्न करते हैं।

ऊपरी पैनलः 2022 में जेडब्ल्यूएसटी (लाल) द्वारा देखे गए टी. चा. के एमआईआर स्पेक्ट्रम को स्पिट्जर (लाल) द्वारा 2002 में देखे गए स्पेक्ट्रम के साथ दशार्या गया है, जिससे पता चलता है कि तारकीय डिस्क की आंतरिक दीवार के ढहने के कारण स्पेक्ट्रम की ढलान बदल गई थी। निचला पैनलः जेडब्ल्यूएसटी और स्पिट्जर से प्राप्त निरंतरता घटाए गए एमआईआर डेटा में पीएएच अणुओं से निकलने वाले विभिन्न स्पेक्ट्रल उत्सर्जन बैंड दिखाए गए हैं। 2022 में पीएएच सिग्नल काफी मजबूत हैं, लेकिन विशेषताओं की सापेक्ष तीव्रता लगभग समान रही है, जो इस बात का प्रमाण है कि अणु स्वयं समय के साथ स्थिर रहे हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के वैज्ञानिकों ने नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) के मिड इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट (एमआईआरआई) से प्राप्त अभिलेखीय स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा का उपयोग करके इस तारे के स्पेक्ट्रम में पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) का अध्ययन किया। अत्यंत संवेदनशील जेडब्ल्यूएसटी टेलीस्कोप ने लगभग संयोगवश 2022 में उस क्षण को कैद कर लिया जब तारे की आंतरिक परत पतली हुई और अंतरिक्ष में एक पुरानी तरह की रासायनिक प्रक्रिया सामने आई। तारे की डिस्क से पदार्थ अचानक एक तीव्र अभिवृद्धि के साथ तारे पर आ गिरा, जिससे उसकी भीतरी दीवार पतली हो गई या आंशिक रूप से ढह गई। ऐसा होते ही पराबैंगनी विकिरण अचानक बाहर की ओर प्रवाहित होने लगा, इससे डिस्क के वे हिस्से प्रकाशित हो गए जो पहले छाया में थे।

भारत ने परंपरा के साथ आधुनिकता को सफलतापूर्वक जोड़ा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

मूलभूत सभ्यतागत मूल्यों को संरक्षित रखते हुए और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर भारत ने परंपरा के साथ आधुनिकता को सफलतापूर्वक जोड़ा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

प्रधानमंत्री नरेन् द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत का वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणीय देश के रूप में उभरना शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के निर्णायक नीतिगत समर्थन के कारण संभव हुआ हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

भारत अब अंतरिक्ष, रक्षा और नवाचार के क्षेत्रों में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से विज्ञान का लोकतंत्रीकरण 'विकसित भारत 2047' के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश् यकः डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आज आयोजित भारतीय विज्ञान

सम्मेलन 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ने मूलभूत सभ्यतागत मूल्यों को संरक्षित करते हुए और साथ ही अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर परंपरा के साथ आधुनिकता को सफलतापूर्वक जोड़ा है, जिसका अंतिम लक्ष्य आम नागरिक के लिए जीवन को सुगम बनाना है।

मंत्री महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन् द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत का वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में उभर कर सामने आना शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व द्वारा प्रदान किए गए निर्णायक नीतिगत समर्थन के कारण संभव हो पाया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक में, विशेषकर 2014 से, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को अभूतपूर्व नीतिगत प्राथमिकता और बजटीय समर्थन में मिला है, जिससे उन दीर्घकालिक बाधाओं को दूर किया गया है जो पहले भारत की वैज्ञानिक क्षमता को सीमित करती थीं। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभा की कभी कमी नहीं थी, बल्कि सक्षम इकोसिस् टम और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था, जिसे अब निर्णायक रूप से दूर कर दिया गया है।

इतिहास उन्हीं का बनता है जिनके मन में त्याग और बलिदान का भाव हो: मुख्यमंत्री

वीर बाल दिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए योगी आदित्यनाथ, सिख गुरुओं के अमर बलिदान को किया नमन

सीएम ने साहिबजादों के शहीदी दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के लिए प्रधानमंत्री का किया धन्यवाद

(जीएनएस)।

लखनऊ। धर्म रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के सुपुत्रों की स्मृति में वीर बाल दिवस एवं श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष पर शुक्रवार को आयोजित कीर्तन समागम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इतिहास उन्हीं का बनता है जिनके मन में त्याग और बलिदान का भाव हो। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने स्वदेश और स्वधर्म के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की जो परंपरा स्थापित की, वही हमारी प्रगति का मार्ग है। वीर बाल दिवस के अवसर पर शबद पाठ और कीर्तन समागम का आयोजन मुख्यमंत्री आवास, 5 कालिदास मार्ग पर हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम की शुरूआत में गुरु ग्रंथ साहिब को माथे लगाकर प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने शबद कीर्तन और साहिबजादों के अमर बलिदान की गाथा को सुना। कीर्तन पाठ करने वाले बच्चों को पटका पहनाकर और पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। उन्होंने 'छोटे साहिबजादे' नाम की पुस्तिका का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहीदी दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाना, उनके स्वधर्म और स्वदेश के प्रति अमर बलिदान को नमन करने का अवसर है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दिया कि उन्होंने देशभर के सिख समाज की भावना को स्वीकार करते हुए इस दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास भारत में भक्ति और शक्ति का इतिहास है। गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म की जो अलख जगाई, उसके प्रचार-प्रसार के लिए देश के कोने-कोने में गए। गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने त्याग और बलिदान से इसे अनुकरणीय बनाया। शबद कीर्तन समागम में मुख्यमंत्री ने सिख गुरुओं की परंपरा, उनके त्याग और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस का 350वां वर्ष मनाया जा रहा है और मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे कई बार उनके शहीदी दिवस के कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिला। यह विशेष संयोग था कि जिस समय हम गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे थे, उसी दिन 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के हर स्कूल, कॉलेज और कार्यालय में वीर बाल दिवस के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं तथा साहिबजादों की गाथाएं पाठ्यक्रम में शामिल की गई हैं, ताकि नई पीढ़ी को बलिदान की प्रेरणा मिल सके। उन्होंने कहा कि इतिहास उन्हीं का बनता है जिनके मन में त्याग और बलिदान का भाव होता है। सिख धर्म की लंगर परंपरा सामाजिक समरसता का उदाहरण है, जहाँ किसी की जाति या धर्म नहीं पूछा जाता। गुरु गोबिंद सिंह जी ने समाज को एकता के सूत्र में बाँधने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज, माता गुजरी देवी, बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस प्रत्येक भारतीय युवा के लिए प्रेरणा का दिन है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के आयोजनों में डबल इंजन सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में आनंद साहिब का पाठ और अरदास हुई। इसके बाद वह मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' एवं असीम अरुण के साथ लंगर में भी सम्मिलित हुए।

दरवाजे की कुंडी तोड़कर सोने चांदी के जेवरात सहित तीस हजार की नकदी उठा ले गये

मोहित हिंदू जिला संवाददाता

मसौली, बाराबंकी। थाना क्षेत्र के ग्राम किन्हौली मे बीती रात्रि अज्ञात चोरो ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर सोने चांदी के जेवरात सहित तीस हजार की नकदी उठा ले गये। पीड़िता की तहरीर पर मसौली पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है।

बीती रात्रि ग्राम किन्हौली निवासी विनीता पत्नी उदय प्रताप सिंह खाना खाने के बाद अपने कमरे मे सोने चली गयी इसी बींच चोरो ने घर की कुंडी तोड़कर घर से 100 ग्राम चांदी की पायल,150 ग्राम की पेटी, 5 अंगूठी, 3 सोने के बूंदे, 10 चांदी के सिक्के सहित अन्य करीब तीस हजार की नकदी एवं जरूरी कागजात उठा ले गये। पीड़िता ने संदेह के आधार पर दी गयी तहरीर मे बताया गुरूवार की देर शाम दरवाजे के सामने गाँव रमेश पुत्र महेश व मुकेश पुत्र रमेश टहल

रहे थे।। पीड़िता की तहरीर पर मसौली पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

मलिहाबाद में डीएम के आदेशों की उड़ी धज्जियां नियमों को ठेंगे पर रख रहे निजी व सरकारी स्कूल, प्रशासन सख्त

(जीएनएस)।

मलिहाबाद/लखनऊ। शिक्षा व्यवस्था में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी अब बर्दाश्त से बाहर होती जा रही है। जिला अधिकारी (डीएम) लखनऊ द्वारा जारी किए गए सख्त निर्देशों के बावजूद, मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के कई नामी-गिरामी प्राइवेट व सरकारी स्कूल प्रशासन के आदेशों को मानने से साफ इनकार कर रहे हैं। मुख्य बिंदुः क्या है पूरा मामला? आदेश की खुली अनदेखी जिला अधिकारी ने भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्कूलों को बंद रखने या समय परिवर्तन के सख्त आदेश दिए थे। लेकिन मलिहाबाद और आसपास के ग्रामीण इलाकों में स्थित कई निजी स्कूलों ने इन आदेशों को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। राजधानी में जहां पारा लगातार गिर रहा है, वहीं मलिहाबाद के कई स्कूल सुबह अपने पुराने समय पर ही खुले पाए

गए। कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने को मजबूर दिखे। पेरेंट्स का आरोप है कि स्कूल मैनेजमेंट भारी जुमार्ना, अनुपस्थिति लगाने या सिलेबस छूटने का डर दिखाकर बच्चों को बुला रहा है। अभिभावकों का कहना है कि "जब प्रशासन ने छुट्टी घोषित की है, तो स्कूल अपनी मनमानी क्यों कर रहे हैं?" सूत्रों के मुताबिक, मलिहाबाद क्षेत्र के इन बागी स्कूलों की सूची जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने तैयार कर ली है। जांच के बाद इन स्कूलों पर भारी जुमार्ना लगाने और उनकी मान्यता रद्द करने तक की कठोर कार्रवाई की जा सकती है स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि शिक्षा विभाग की टीमें धरातल पर उतरकर औचक निरीक्षण करें ताकि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को रोका जा सके।

उत्तराखंड : एसआईआर अभियान को लेकर तैयारियां तेज, कहा- मतदाता मैपिंग आसान बनाने के लिए आपसी समन्वय जरुरी

(जीएनएस)।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर उत्तराखंड में भी निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने देहरादून जनपद के बीएलओ सुपरवाईजर एवं बीएलओ के साथ बैठक की।

उन्होंने फील्ड में कार्य कर रहे अधिकारियों से फीडबैक लिया और उनकी समस्याएं भी सुनीं। जोगदंडे ने मतदाता मैपिंग आसान बनाने के लिए आपसी समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। कहा कि निकट भवष्यि में आयोग द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में भी एसआईआर अभियान चलाया जा सकता है।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे की अध्यक्षता में शुक्रवार को देहरादून जनपद के फील्ड अफसरों के साथ सचिवालय में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने बीएलओ सुपरवाईजर एवं बीएलओ के साथ संवाद स्थापित कर फीडबैक भी लिया। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी

ने कहा कि वर्तमान में 12 राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान संचालित है। निकट भवष्यि में आयोग द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में भी एसआईआर अभियान चलाया जा सकता है।

ऐसे में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में अभी से चरणबद्ध तरीके से तैयारी की जा रही है। मतदाताओं की मैपिंग के लिए आउटरीच कार्यक्रम के तहत बीएलओ द्वारा किए जा रहे संपर्क एवं अन्य कार्यों की नियमित समीक्षा अनिवार्य है। जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे बीएलओ सुपरवाईजर, बीएलओ, एईआरओ एवं ईआरओ के बीच बेहतर समन्वय से ही मैपिंग का कार्य आसानी से पूरा हो सकेगा।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने संवाद के दौरान विभिन्न विधासभाओं से पहुंचे बीएलओ सुपरवाईजर एवं बीएलओ को मैपिंग के दौरान आ रही समस्याएं सुनते हुए ईआरओ को उनके निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओ को दी जाने वाली ट्रेनिंग मैटीरियल को और आसान बनाने एवं वीडियो फार्मेट में बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बीएलओ को सोशल मीडिया एवं वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम खोजने संबंधित जानकारी मतदाताओं से साझा करने की अपील की।

खंड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ब्लॉक स्तरीय कविता प्रतियोगिता

(जीएनएस)।

मसौली,बाराबंकी। ब्लॉक संसाधन केंद्र (बड़ागांव)मसौली में खंड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ब्लॉक स्तरीय कविता प्रतियोगिता कक्षा 1 से 3, कहानी प्रतियोगिता कक्षा 4 से 5 तथा भाषण प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 के बच्चों की सम्पन्न हुई इस अवसर पर ब्लॉक के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपूर्व उत्साह, आत्मविश्वास, सृजनात्मक चेतना एवं प्रभावी भाषिक कौशल का अनुकरणीय परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य बालकों में रचनात्मक अभिव्यक्ति, वक्तृत्व क्षमता, साहित्यिक संवेदना तथा मंचीय आत्मविश्वास का सर्वांगीण विकास करना रहा प्रतियोगिताओं के घोषित

परिणाम में कविता प्रतियोगिता कक्षा 1 से 3 में प्रथम स्थान प्राथमिक विद्यालय बड़ागांव 2 की आन्या, द्वितीय स्थान प्राथमिक विद्यालय मेंढिया के अनस, तृतीय स्थान प्राथमिक विद्यालय जकरिया की नाजिया एवं कहानी प्रतियोगिता कक्षा 4 से 5 में प्रथम स्थान आराध्या प्राथमिक विद्यालय मेढ़िया,द्वितीय स्थान राधिका कंपोजिट विद्यालय मुबारकपुर, तृतीय स्थान छवि वर्मा कंपोजिट विद्यालय इचौलिया एवं भाषण प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 मेंप्रथम स्थान रागिनी उच्च प्राथमिक विद्यालय टेरासानी,द्वितीय स्थान छवि वर्मा कंपोजिट विद्यालय इचौलिया,तृतीय स्थान हेमंत यादव उच्च प्राथमिक विद्यालय बांसा को प्रतियोगिता में चयनित किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार ने बताया कि सभी चयनित प्रतिभागियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु संबंधित विद्यालयों के

प्रधानाध्यापकगण को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए है। प्रतियोगिता में एआरपी क्रमशः आदित्य वर्मा,आशीष शुक्ल, उमेश वर्मा, राहत फातिमा, राजेश कुमार यादव, ब्लॉक गुणवत्ता समन्वयक विनोद वर्मा व संबंधित विद्यालयों

ना स्टीमेट, ना टेंडर दबाव में करोड़ों का खेल भारती भवन लाइन शिफ्टिंग मामला नियमों की कब्र पर खड़ा काम

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर कठघरे में है। रेजीडेंसी डिवीजन के यूपीआईएल उपकेंद्र अंतर्गत रानीगंज क्षेत्र में स्थित आरएसएस कार्यालय 'भारती भवन' के नाम पर ऐसा काम करा दिया गया, जिसने सरकारी नियम-कानूनों को कागज का टुकड़ा बना दिया। सूत्रों के मुताबिक, भारती भवन के पास लगे 400 केवीए ट्रांसफार्मर और ओवरहेड लाइनों को हटाकर अंडरग्राउंड कराने के लिए सीधे चेयरमैन व एमडी स्तर तक दबाव बनाया गया। दबाव के आगे झुकते हुए जिम्मेदारी उठाई मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र) रवि अग्रवाल ने, और पूर्व अधिशासी अभियंता (रेजीडेंसी) जय प्रकाश के नेतृत्व में

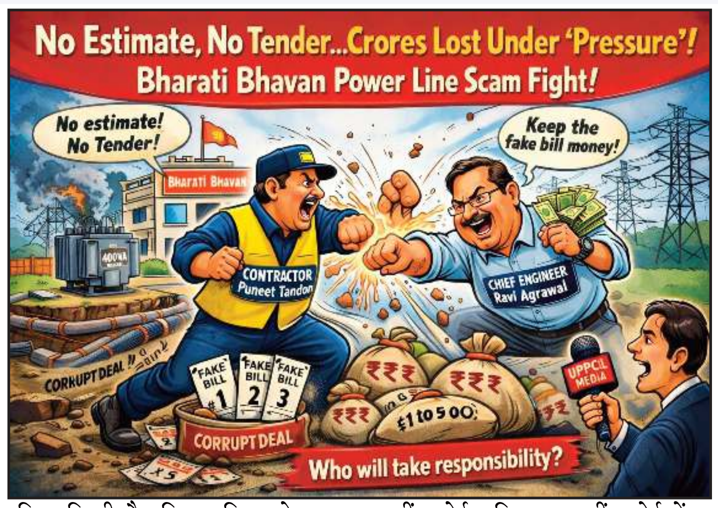

बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के काम शुरू करा दिया गया। नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा के काम से पहले वह सब कुछ गायब रहा, जो नियमों में अनिवार्य है कोई स्टीमेट नहीं, कोई राशि जमा नहीं, कोई टेंडर प्रक्रिया नहीं, सीधे ठेकेदार पुनीत टंडन को काम का निर्देश जानकारों के अनुसार, यदि नियमानुसार स्टीमेट बनता, तो करीब 20 लाख रुपये भारती भवन को जमा करने पड़ते। लेकिन नियमों को ताक पर रखकर सरकारी संसाधन निजी संस्था के लिए झोंक दिए गए। अब 'एक काम, तीन बिल' का खेल? सूत्रों का सनसनीखेज दावा है कि अब काम पूरा होने के बाद फर्जी बिलिंग की तैयारी है एक ही काम को तीन अलग-अलग मदों में दिखाकर भुगतान निकाला जाएगा ठेकेदार और जिम्मेदार अफसरों की मिलीभगत से सरकारी धन लूट की आशंका गहराती जा रही है। सीधे सवाल, जिनसे बचना मुश्किल बिना स्टीमेट और टेंडर के काम किस आदेश पर कराया गया किस नियम के तहत निजी संस्था के लिए सरकारी ढांचा बदला गया भुगतान किस मद से और किसके हस्ताक्षर से होगा क्या जिम्मेदारी तय होगी या फाइलों में मामला दबा दिया जाएगा? 48 घंटे बीते, फिर भी सन्नाटा घटना के 48 घंटे बाद भी न तो किसी उच्च अधिकारी ने संज्ञान लिया, न ही कोई कार्रवाई दिखी। सवाल यह है क्या आज कोई कदम उठेगा, या फिर पहले की तरह काले कारनामों पर आशीर्वाद बना रहेगा उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड से सीधी मांग स्वतंत्र जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई, स्टीमेट, भुगतान और फाइल नोटिंग सार्वजनिक हो यूपीपीसीएल मीडिया यह सवाल उठाती है कि क्या नियम सिर्फ आम उपभोक्ताओं के लिए हैं क्या प्रभावशाली संस्थाओं के लिए अलग कानून चलता है? अब निगाहें आशीष गोयल, अध्यक्ष पावर कॉरपोरेशन पर हैं कार्रवाई होगी या दोस्ती निभाई जायेगी? यूपीपीसीएल मीडिया सवाल पूछती रहेगी।

हरे कृष्ण केन्द्र, देवधर ने गीता मैराथन के पावन अवसर पर श्री मद् भगवद् गीता पुस्तक का किया वितरण

(जीएनएस)।

लखनऊ। देवघर क्षेत्र के स्थानीय विरॉय मॉल (पूर्व बिग बाजार) मुख्य द्वार पर सनातन धर्म के उत्थान के लिए जगतगुरु श्रीला प्रभु पाद जी की प्रेरणा से तुलसी दिवस व गीता जयंती एवं गीता मैराथन के पावन अवसर पर हरें कृष्ण केन्द्र' के सौजन्य से श्री भगवद् गीता पुस्तक का वितरण प्रभु श्री रूपानुगादास जी एवं उनके अनुयात्रियों द्वारा किया गया। मौके पर श्री रूपानुगादास ने कहा कि भक्त गीता वितरण के इस महान यज्ञ में सहभागी बने एवं भगवान श्री कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त करें और अपने जीवन को धन्य करें। कहा गया है कि जो मेरी महिमा का संदेश दूसरों तक पहुँचाता

है, इस संसार में उससे अधिक प्रिय कोई सेवक मुझे नहीं है, और न ही कभी कोई उससे अधिक प्रिय होगा।

शेफाली के तूफान में उड़ा श्रीलंका, भारत ने सीरीज जीतकर रचा इतिहास

(जीएनएस)।

तिरुवनंतपुरम में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 8 विकेट से हरा दिया है। भारत ने श्रीलंका को धूल चटाते हुए पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाकर ट्रॉफी पर भी कब्जा कर लिया है। यह मुकाबला ऐतिहासिक रहा, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। शेफाली वर्मा ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 42 गेंदों में 79 रन बनाने का काम किया।

हरमनप्रीत कौर बनीं दुनिया की सबसे सफल कप्तान

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस जीत के साथ ही विश्व क्रिकेट में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। बतौर कप्तान यह उनकी 77वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत थी। इस आंकड़े के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की महान कप्तान मेग लैनिंग को पीछे छोड़ दिया है। अब हरमनप्रीत टी20 फॉर्मेट में दुनिया की सबसे सफल कप्तान बन गई हैं। उनके नेतृत्व में टीम इंडिया लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है।

रेणुका और दीप्ति का घातक स्पैल

मैच की बात करें तो टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। करीब एक साल बाद वापसी कर रही तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने अपनी स्विंग से श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 21 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं, स्पिनर दीप्ति शर्मा के लिए भी यह दिन यादगार रहा। उन्होंने 18 रन देकर 3 विकेट लिए। इसी के साथ दीप्ति ने अपने टी20 करियर के 151 विकेट पूरे किए और ऑस्ट्रेलिया की मेगन शुट्ट की बराबरी करते हुए दुनिया की संयुक्त रूप से नंबर-1 विकेट टेकर बन गईं।

श्रीलंका का निराशाजनक प्रदर्शन जारी

श्रीलंका की शुरूआत आक्रामक रही थी। हसिनी परेरा (25) ने पहले ओवर में 12 रन बटोरकर इरादे साफ कर दिए थे, लेकिन कप्तान चामरी अटापट्टू (3) के आउट होते ही श्रीलंकाई टीम लड़खड़ा गई। रेणुका ने छठे ओवर में दो विकेट लेकर श्रीलंका का स्कोर 32/3 कर दिया। मध्यक्रम में कविषा दिलहारी (20) ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन दीप्ति शर्मा ने उन्हें आउट कर श्रीलंका की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं। पूरी श्रीलंकाई टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर महज 112 रन ही बना सकी।

शेफाली वर्मा का 'तूफान'

113 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने धमाकेदार शुरूआत दी। शेफाली ने मैदान के चारों ओर चौके-छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और मैच को एकतरफा बना दिया। भारत ने बड़ी आसानी से 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से शेफाली ने 42 गेंदों में नाबाद 79 रनों की पारी खेली।

भारतः स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी।

श्रीलंकाः चामरी अटापट्टू (कप्तान), हंसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षिका सिल्वा, इमेशा दुलानी, कौशानी नुथ्यांगना (विकेटकीपर), मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, मल्की मदारा, निमशा मदुशानी।